

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 23 मार्च, 2020

टॉलीवुड के एक्टर और डायरेक्टर वसू

टॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता, डायरेक्टर और लेखक वसू (Visu) का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। वसू का जन्म 1 जुलाई, 1945 को तमलिनाडु में हुआ था और उनका मूल नाम **मीनाक्षिसुंदरम रामासामी विश्वनाथं (Meenakshisundaram Ramasamy Viswanthan)** है कति वे फलिम उद्योग में वसू के नाम से अधिक प्रसिद्ध थे। वसू ने अपने कैरियर की शुरुआत नरिदेशक के बालचंदर के सहायक के रूप में की थी, जिसके पश्चात् उन्होंने स्वयं नरिदेशन शुरू कर दिया। अपने कैरियर में उन्होंने एक्टिंग में भी काफी प्रसिद्धि प्राप्त की, अभिनेता के तौर पर उनकी पहली फलिम एस. पी मुथुरमन द्वारा नरिदेशित कुदुम्बम ओरु कदम्बम (Kudumbam Oru Kadambam) थी। वसू ने 60 से अधिक फलिमों में अभिनय किया था और 25 से अधिक फलिमों का नरिदेशन किया था।

टोक्यो ओलंपिक में भाग नहीं लेंगे कनाडा और ऑस्ट्रेलिया

कोरोनावायरस (COVID-19) के खतरे के कारण कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने 2020 टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में भाग लेने से इनकार कर दिया है। दोनों देशों की ओलंपिक समिति द्वारा जारी आधिकारिक बयान में इस नरिणय की सूचना दी गई है। दोनों देशों ने यह मांग की है कि इन खेलों को वर्ष 2021 तक के लिये स्थानांतरित कर दिया जाए। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन जापान की राजधानी टोक्यो में 24 जुलाई से 9 अगस्त (2020) तक आयोजित किया जाना था। गौरतलब है कि कोरोनावायरस (COVID-19) के कारण दुनिया भर के तमाम देश प्रभावित हुए हैं और वैश्विक स्तर पर तकरीबन 3 लाख से अधिक मामलों की पुष्टि हो गई है। इसके कारण खेल जगत से लेकर आर्थिक क्षेत्र सभी प्रभावित हुए हैं। टोक्यो ओलंपिक इस वर्ष की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है और इसकी तैयारी भी लगभग पूरी हो चुकी है।

हाइपरसोनिक परमाणु सक्षम मसिाइल

हाल ही में अमेरिका ने अपनी पहली हाइपरसोनिक मसिाइल का सफल परीक्षण किया है। इस संदर्भ में जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, इस मसिाइल की गति ध्वनिकी गति से पाँच गुना अधिक है और यह मसिाइल 6,200 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक गति से हमला कर सकती है। साथ ही यह मसिाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। इससे पूर्व रूस ने दिसंबर 2019 में हाइपरसोनिक हथियार का परीक्षण किया था और चीन भी अपने DF-17 हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल को प्रदर्शित कर चुका है। उल्लेखनीय है कि हाइपरसोनिक मसिाइलों के प्रक्षेपक (Trajectory) का पता नहीं लगाया जा सकता, जबकि बैलिस्टिक मसिाइलों के प्रक्षेपक को ट्रेस किया जा सकता है। विश्व के अन्य राष्ट्रों की भाँति भारत भी अपनी रक्षा चुनौतियों से निपटने के लिये प्रयासरत है, इसी दशा में रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन (DRDO) ने भी भारत की अगली पीढ़ी की हाइपरसोनिक मसिाइलों का निर्माण शुरू कर दिया है।

शहीद दविस

प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को शहीद दविस के रूप में मनाया जाता है। 23 मार्च को ही वर्ष 1931 में भारत के तीन स्वतंत्रता सेनानियों भगत सहि, राजगुरु और सुखदेव को मृत्युदंड दिया गया था। लाहौर षडयंत्र मामले में इन स्वतंत्रता सेनानियों के लिये 24 मार्च, 1931 को मृत्युदंड का आदेश दिया गया था, कति उन्हें 23 मार्च, 1931 की शाम को ही फाँसी दे दी गई थी। अपनी मृत्यु के समय भगत सहि केवल 23 वर्ष के थे कति उनके क्रांतिकारी वचिार बहुत व्यापक थे। उल्लेखनीय है कि भारतीय आंदोलनों का बहुचर्चित नारा 'इंक्लाब जिंदाबाद' पहली बार भगत सहि ने ही बोला था। भगत सहि मानते थे कि व्चिार को दबाकर उसके वचिार नहीं दबाए जा सकते हैं।